500 करोड़ रुपये की रिलीफ योजना

इस योजना में सरकार की ओर से एक समयबद्ध और लक्षित हस्तक्षेप किया जाएगा

नई दिल्ली, 19 मार्च. सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण माल भाड़े और बीमा प्रीमियम में उछाल से प्रभावित निर्यातकों की मदद के लिए रिलीफ (रेजिस्टेंस एंड लाजिस्टिक्स इंरवेंशन फॉर एक्सपोर्ट फेसिलिटेशन) नाम से एक योजना शुरू की है.

इसमें निर्यात ऋण बीमा योजना के तहत मदद की जाएगी और इस हस्तक्षेप के लिए करीब 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है. निर्यात संवर्धन मिशन के तहत लागू की जा रही इस योजना में सरकार की ओर से एक समयबद्ध और लक्षित हस्तक्षेप किया जाएगा. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से कहा गया है यह पहल उन भारतीय निर्यातकों को समर्थन देने के उद्देश्य से शुरू की गई है, जो असाधारण रूप से बढ़े हुए मालभाड़े (फ्रेट), बढ़े हुए बीमा प्रीमियम और खाड़ी क्षेत्र तथा व्यापक पश्चिम एशिया के समुद्री मार्ग में व्यवधान के कारण उत्पन्न युद्ध-संबंधी निर्यात जोखिमों से प्रभावित हुए हैं.

हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ी हुई सुरक्षा चिंताओं के कारण जहाज़ों के मार्ग बदलने पड़े हैं, यात्रा मार्ग लंबा हो गया है, ट्रांसशिपमेंट केंद्रों पर भीड़ बढ़ गई है और आपातकालीन संघर्ष-संबंधित अतिरिक्त शुल्क (सर्चार्ज) लगाए गए हैं.

> सरकार ने सभी संबंधित विभागों को वर्तमान परिस्थिति में समग्र समन्वय के साथ काम करने के लिए दो मार्च को एक अंतर-मंत्रालयी समूह बनाया है ताकि स्थिति की निगरानी की जा सके और सुविधा के उपायों का समन्वय किया जा सके. के अनुसार रिलीफ के तीन पूरक घटक शामिल हैं जो संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत, इज़राइल, क़तर, ओमान, बहरीन, इराक़, ईरान और यमन जैसे देशों के लिए या उनके माध्यम से ट्रांसशिपमेंट हेतु भेजे जाने वाले निर्यात माल पर लागू होंगे.

रुपया 92.89 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर

मुंबई, 19 मार्च. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया बुधवार को 49 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 92.89 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ. भारतीय मुद्रा पहली बार 92.50 रुपये प्रति डॉलर से नीचे लुढ़की है.

पिछले कारोबारी दिवस पर यह 11.75 पैसे की गिरावट में 92.40 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी. रुपये की शुरुआत आज दो पैसे की गिरावट के साथ 92.42 रुपये प्रति डॉलर पर हुई थी. आज का इसका उच्चतम स्तर 92.41 रुपये प्रति डॉलर रहा. हालांकि बाद में लगातार टूटता हुआ यह 92.89 रुपये प्रति डॉलर तक लुढ़क गया और अंत में उसी स्तर पर बंद हुआ. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में करीब पांच प्रतिशत के उछाल से रुपया कमजोर हुआ.

एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन का इस्तीफा

केकी मिस्त्री को मिली अंतरिम जिम्मेदारी

मुंबई, 19 मार्च. देश के अग्रणी निजी ऋणदाता एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने बैंक के संचालन में अनैतिकता के आरोप लगाते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी श्री चक्रवर्ती ने 17 मार्च 2026 को तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा दिया था.

बैंक ने बुधवार देर रात शेयर बाजार को बताया कि उनका इस्तीफा 18 मार्च को दोपहर बाद तीन बजकर 17 मिनट पर प्राप्त हुआ. बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक से स्वीकृति मिलने के बाद श्री केकी मिस्त्री को तीन महीने के लिए अंतरिम अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त किया है. उनकी नियुक्ति गुरुवार 19 मार्च से प्रभावी हो गयी है. श्री चक्रवर्ती ने अपने त्यागपत्र में बैंक के संचालन के तौर-तरीकों पर गंभीर आरोप लगाये हैं. उन्होंने लिखा है, पिछले दो वर्षों में मैंने बैंक के भीतर कुछ ऐसी घटनाएं और चलन देखे हैं जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं रहे हैं. यही मेरे निर्णय का आधार है. उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनके इस्तीफे का और कोई अन्य महत्वपूर्ण कारण नहीं है.

> चक्रवर्ती भारतीय प्रशासनिक सेवा से अप्रैल 2020 में सेवानिवृत्त हुए. उस समय वह वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव थे. वह मई 2021 में एचडीएफसी बैंक के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक के रूप में शामिल हुए थे. स्वतंत्र निदेशक के रूप में उनका तीन साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद मई 2024 में उन्हें दोबारा तीन साल के लिए स्वतंत्र निदेशक बनाया गया गया था. इस्तीफे की बात समाने आने के बाद गुरुवार को बैंक का शेयर आज एक समय 8.42 प्रतिशत लुढ़ककर 772 रुपये पर आ गया था. वहां से उबर कर यह शेयर समाचार लिखे जाने के समय 4.26 प्रतिशत की गिरावट में 807 रुपये पर चल रहा था.

लगातार तीसरे दिन हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई, 19 मार्च. अमेरिकी फेडरल रिजर्व के रेपो दरों को स्थिर रखने के फैसले से निराश निवेशकों की बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को भारी गिरावट देखी गयी. बीएसई का सेंसेक्स 2,496.89 अंक (3.26 प्रतिशत) लुढ़ककर 74,207.24 अंक पर बंद हुआ.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 775.65 अंक टूटकर 23,002.15 अंक पर आ गया. यह दोनों का 11 महीने से ज्यादा का निचला स्तर है. अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने बुधवार को समाप्त दो दिवसीय बैठक में नीतिगत दरों को 3.5 प्रतिशत से 3.75 प्रतिशत के बीच स्थिर रखने का फैसला किया. इससे अमेरिका के साथ एशिया और यूरोप के शेयर बाजारों में भी बड़ी गिरावट आयी. सेंसेक्स की शुरुआत ही 1,953 अंक की गिरावट में 74,751 अंक पर हुई. हालांकि खुलने के तुरंत बाद यह 75,354 अंक तक चढ़ गया, लेकिन धीरे-धीरे इसका ग्राफ नीचे उतरता गया. इसका निचला स्तर 73,951 अंक रहा. निफ्टी का ग्राफ भी इसी तरह का रहा.

सोना 4 हजार टूटा, चांदी 13 हजार फिसली

5 दिन में सोना-चांदी में भारी गिरावट, निवेशक सतर्क

आने वाले समय में कीमतों में और कमजोरी देखी जा सकती है

नई दिल्ली, 19 मार्च. सोना और चांदी जैसी पारंपरिक सुरक्षित निवेश माने जाने वाले विकल्पों में इन दिनों बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है, जिसने निवेशकों को हैरान कर दिया है. आमतौर पर वैश्विक तनाव या युद्ध जैसी परिस्थितियों में इन कीमती धातुओं की कीमतें बढ़ती हैं, लेकिन इस बार ट्रेंड उल्टा नजर आ रहा है.

अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में निवेशक जोखिम से बचने के लिए सोना-चांदी बेचकर नकदी जमा कर रहे हैं. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, चांदी की कीमत में एक ही दिन में ?13 हजार की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि सोना ?4 हजार तक सस्ता हो गया है. पिछले पांच कारोबारी दिनों में सोना करीब 9 हजार और चांदी 31 हजार तक गिर चुकी है. यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब कुछ ही हफ्ते पहले इन धातुओं ने रिकॉर्ड ऊंचाई छुई थी. विशेषज्ञों का मानना है कि मुनाफावसूली, बढ़ती ब्याज दरें और नकदी की बढ़ती मांग इस गिरावट के प्रमुख कारण हैं, और आने वाले समय में कीमतों में और कमजोरी देखी जा सकती है. कीमती धातुओं के बाजार में इन दिनों जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है.

> ताजा आंकड़ों के अनुसार, 19 मार्च को चांदी की कीमत में 13 हजार की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जिससे यह 2.37 लाख प्रति किलोग्राम पर आ गई. वहीं, 24 कैरेट सोना ?4 हजार सस्ता होकर 1.52 लाख प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया. पिछले पांच कारोबारी दिनों में गिरावट का रुझान और स्पष्ट हुआ है. इस अवधि में सोना करीब 9 हजार और चांदी 31 हजार तक सस्ती हो चुकी है. यदि पिछले डेढ़ महीने के ट्रेंड को देखें तो चांदी में गिरावट और भी चौंकाने वाली है.

ब्रेंट क्रूड 116 डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली, 19 अप्रैल. पश्चिम एशिया में संकट गहराने और कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में जारी बाधाओं से गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 116 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया. लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा फिलहाल 8.47 प्रतिशत चढ़कर 116.48 डॉलर प्रति बैरल पर है. अमेरिकी क्रूड वायदा 1.46 डॉलर की बढ़त में 97.73 डॉलर प्रति बैरल बोला गया. अमेरिका-इजरायल के संयुक्त सैन्य अभियान में 28 फरवरी से ईरान पर हमले और ईरान की जवाबी कार्रवाई से पश्चिम एशिया में संकट गहरा गया है. तेल एवं गैस उत्पादन संयंत्रों को भी निशाना बनाया गया है. साथ ही आपूर्ति श्रृंखला भी बाधित हुई है. इस सबसे कच्चा तेल तथा अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है.

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता गर्मियों तक अमल में आ जाएगा

नई दिल्ली, 19 मार्च. ब्रिटेन की संसद में जन प्रतिनिधियों के सदन हाउस ऑफ कामन्स की व्यवसाय एवं व्यापार संबंधी प्रवर समिति के अध्यक्ष लियाम डॉमिनिक बिरने ने बुधवार को भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (भारत-ब्रिटेन सीईटीए) के गर्मियों के सीजन तक प्रभावी कर दिये जाने की उम्मीद जतायी.

ब्रिटेन के एक आठ सदस्यीय संसदीय दल के साथ भारत की यात्रा पर आये श्री बिरने ने कहा कि इस समझौते को लेकर ब्रिटेन के व्यापार-उद्योग और राजनीतिक क्षेत्र में उम्मीदें काफी ऊंची है. वह राजधानी में संसद की वाणिज्य विभाग से संबंधित स्थायी समिति की के सथा एक बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे. उन्होंने कहा, ब्रिटेन में हम इस बात को लेकर प्रतिबद्ध हैं कि दोनों देशों की सरकारों ने जो ऐतिहासिक व्यापार समझौता किया है उसे हम जमीनी स्तर पर व्यवहार में उतारे. यह पूछे जाने पर कि जुलाई 2025 में हुआ भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता कब तक प्रभावी हो सकेगा, श्री बिरने ने विश्वास जताया कि, इस बसंत में नहीं तो गर्मियों तक यह अमल में आ जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि इससे दोनों देशों की जनता को इस समझौते से बड़ा फायदा होगा. ब्रिटेन में बसंत का सीजन मार्च से मई तक और गर्मी का सीजन जून से अगस्त तक चलता है. सत्तारूढ लेबर पार्टी के सांसद ने कहा कि भारत के साथ समझौते को लेकर उनके देश में उम्मीदे बहुत ऊंची है.

> उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन की संसद की व्यवसाय एवं व्यापार पर प्रवर समिति भारत और ब्रिटेन के व्यापार समझौते पर इस समय विचार कर रही है. संसद की वाणिज्य विभाग से संबंधित स्थायी समिति की अध्यक्ष और तृणमूल कांग्रेस की सदस्य सुश्री डोला सेन ने कहा, श्री बिरने के साथ आये ब्रिटेन के संसदीय दल के साथ आज बहुत अच्छी और सार्थक बातचीत हुई. भारत-ब्रिटेन सीईटीए प्रभावी हो कर दोनों देशों के संबंधों में मील का पत्थर साबित होगा. इससे दोनों देशों के बीच भविष्य में आर्थिक-व्यापारिक संबंधों में काफी विस्तार होने की उम्मीद है

इंडिगो की साख पर संकट, इक्रा ने निगरानी में रखा

पश्चिम एशिया तनाव से इंडिगो की रेटिंग पर खतरा

महंगे ईंधन और गिरते रुपये से इंडिगो पर दबाव

नई दिल्ली, 19 मार्च. साख निर्धारक एजेंसी इक्रा ने प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो की दीर्घावधि साख को नकारात्मक कारकों के मद्देनजर निगरानी में रखा है.

जारी रिपोर्ट में इंडिगो की दीर्घावधि साख एए बनाये रखी है, लेकिन पश्चिम एशिया संकट के कारण हवाई क्षेत्रों संबंधी प्रतिबंधों और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी को जैसे नकारात्मक कारकों को देखते हुए उसे निगरानी में रखने की घोषणा की है. वहीं, अल्पावधि साख को ए1प्लस पर बरकरार रखा गया है. रिपोर्ट में कहा गया कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनैतिक संघर्ष के कारण इंडिगो के परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन पर दबाव की आशंका है.

> पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण अंतर्राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र की उपलब्धता प्रभावित हुई है और कच्चे तेल की कीमत में तेज वृद्धि हुई है. इक्रा ने कहा है कि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण बड़ी संख्या में इंडिगो की उड़ानें रद्द हुई हैं और लंबी दूरी की उड़ानों के मार्ग बदले गये हैं. ब्रेंट क्रूड वायदा की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 102-105 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गयी है. इस साल अब तक रुपया आठ प्रतिशत लुढ़क चुका है.

गुड़ीपड़वा पर बंद रहा मुद्रा बाजार

मुंबई, 19 मार्च. महाराष्ट्र में गुड़ीपड़वा के मौके पर गुरुवार को मुद्रा बाजार में अवकाश रहा.

कारोबारियों ने बताया कि मुद्रा बाजार में आज कोई कामकाज नहीं हुआ. साथ ही शेयर बाजारों में भी करेंसी डेरिवेटिव खंड में कामकाज बंद रहा. बाजार में शुक्रवार को सामान्य कामकाज होगा. पिछले कारोबारी दिवस पर बुधवार को रुपया 49 पैसे टूटकर नये रिकॉर्ड स्तर 92.89 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था. यह पहली बार है जब भारतीय मुद्रा 92.50 रुपये प्रति डॉलर से ज्यादा कमजोर हुई है.

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने रेपो दर स्थिर रखी

वाशिंगटन, 19 मार्च. पश्चिम एशिया संकट से उपजी वैश्विक अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में आये भारी उछाल के बीच अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बाजार की उम्मीद के विपरीत रेपो दरों में कोई कटौती नहीं की है.

फेड की दो दिन चली बैठक के बाद बुधवार को जारी बयान में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था की वृद्धि मजबूत बनी हुई है, लेकिन हाल के महीनों में नये रोजगार की रफ्तार सुस्त रही है और मुद्रास्फीति बढ़ी हुई है. साथ ही पश्चिम एशिया के घटनाक्रम के अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर प्रभाव में भी अनिश्चितता है. अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने बताया कि समिति ने दरों को 3.5 से 3.75 प्रतिशत के बीच स्थिर रखने का फैसला किया है. समिति के 12 में से 11 सदस्यों ने फैसले के पक्ष में वोट दिया जबकि स्टिफन माइरन एक-चौथाई प्रतिशत की कटौती के पक्ष में थे. बयान में कहा गया है कि फेड का लक्ष्य रोजगार को अधिकतम करना और महंगाई दर को दो प्रतिशत पर रखना है.

समाचार विशेष

अजित पवार की बारामती सीट पर कब होगा मतदान?

नई दिल्ली.. भारत के चुनाव आयोग ने चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा उपचुनावों की तारीखों की घोषणा कर दी है. इन सभी क्षेत्रों में मतदान अप्रैल महीने में होगा. इसके अलावा छह राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव कराए जाएंगे.

ये सभी सीटें मौजूदा विधायकों के निधन या अन्य कारणों से खाली हुई थीं. चुनाव आयोग ने इन उपचुनावों को दो चरणों में कराने की योजना बनाई है. पहले चरण में 9 अप्रैल को गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा की पांच विधानसभा सीटों पर मतदान होगा. इनमें पोंडा (गोवा), बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण (कर्नाटक), कोरिडांग (नागालैंड) और धर्मनगर (त्रिपुरा) शामिल हैं. इन सीटों के लिए चुनाव अधिसूचना पहले ही जारी की जा चुकी है. नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 23 मार्च है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 24 मार्च को की जाएगी. उम्मीदवारों द्वारा नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 26 मार्च निर्धारित की गई है. चुनाव नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे. दूसरे चरण में महाराष्ट्र की दो और गुजरात की एक विधानसभा सीट पर मतदान होगा.

दूसरे चरण में किन सीटों पर मतदान- इस चरण में महाराष्ट्र की राहुरी और बारामती तथा गुजरात की उमरेठ सीट शामिल हैं. यहां मतदान 23 अप्रैल को होगा. इन सीटों के लिए अधिसूचना 30 मार्च को जारी की जाएगी. इस चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 6 अप्रैल है. नामांकन पत्रों की जांच 7 अप्रैल को होगी, और 9 अप्रैल को नामांकन वापस लेने का अंतिम दिन निर्धारित किया गया है. इस चरण के परिणाम भी 4 मई को ही घोषित किए जाएंगे.

बारामती के उपचुनाव पर रहेगी नजर

महाराष्ट्र की बारामती सीट के लिए मतदान दूसरे चरण के दौरान 23 अप्रैल को होगा. यह सीट एनसीपी के पूर्व नेता अजित पवार के निधन के बाद खाली हुई थी. अब उनके परिवार की सदस्य सुनेत्रा पवार इस सीट से चुनाव लड़ेंगी. सुनेत्रा पवार एनसीपी विधानमंडल दल की अध्यक्ष भी हैं और उन्होंने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है. उनका राजनीतिक प्रभाव और पार्टी का समर्थन उन्हें इस चुनाव में एक मजबूत उम्मीदवार बनाते हैं. पहले चरण में गोवा की पोंडा कर्नाटक की बागलकोट और दावणगेरे, नागालैंड की कोरिडांग और त्रिपुरा की धर्मनगर सीट पर 9 अप्रैल को वोटिंग होगी.

विजय और शशिकला कर सकते हैं तालमेल

चेन्नई. तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की घोषणा हो गई है और कई पार्टियों के बीच तालमेल व सीट बंटवारे का फैसला अभी तक नहीं हुआ है. एनडीए के अंदर भी सीट बंटवारा अभी नहीं हो पाया है और डीएमके के नेतृत्व वाले एसपीए में भी अभी मामला अटका है. कम्युनिस्ट पार्टियां इस आधार पर ज्यादा सीट मांग रही हैं कि डीएमके ने कांग्रेस को एक राज्यसभा सीट दी है और विधानसभा की भी पहले से तीन सीट ज्यादा दी है.

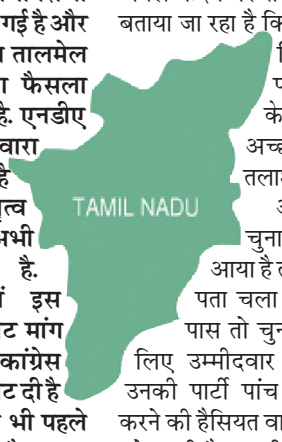

इस बीच दो नई पार्टियों के अगले कदम पर सबकी नजर है. बताया जा रहा है कि फिल्म स्टार विजय अपनी पार्टी टीवीके के लिए एक अच्छा गठबंधन तलाश रहे हैं.

असल में जब चुनाव नजदीक आया है तब विजय को पता चला है कि उनके पास तो चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार ही नहीं हैं. उनकी पार्टी पांच करोड़ खर्च करने की हैसियत वाले उम्मीदवार खोज रही है. उनकी मुश्किल यह है कि वे अन्ना डीएमके और भाजपा दोनों के खिलाफ बहुत कम समय में इतना कुछ बोल चुके हैं कि उनके साथ जाने में समस्या आ रही है. हालांकि बताया जा रहा है कि उधर से 40 से 50 सीटें मिल सकने का ऑफर है. भाजपा और अन्ना डीएमके दोनों अपनी सीटें घटा सकते हैं और बाकी सहयोगियों की सीटों में कटौती कर सकते हैं.

शशिकला सहयोगी खोज रही

इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत जयललिता की सबसे करीबी सहयोगी रही वीके शशिकला ने पार्टी बना ली है. उन्होंने ऑल इंडिया पीटीएमएमके नाम से पार्टी बनाई है. सबको पता है कि तमिलनाडु में जयललिता की राजनीति मोटे तौर पर थेवर जाति पर निर्भर रही. शशिकला उसी जाति से आती हैं. जयललिता के करीबी सहयोगियों में से एक और थेवर नेता ओ पनीरसेल्वम पहले ही डीएमके से तालमेल कर चुके हैं. शशिकला के भतीजे टीटीवी दिनाकरण का तालमेल एनडीए से है. ऐसे में शशिकला भी अपने लिए सहयोगी खोज रही हैं. अगर एनडीए से तालमेल नहीं होता है तो वे थेवर वोट का नुकसान कर सकती हैं.

केरल में सीपीएम के लिए मुश्किल

तिरुवनंतपुरम. केरल में अगले महीने विधानसभा का चुनाव होना है. सीपीएम के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट यानी एलडीएफ के लिए बहुत कठिन मुकाबला है क्योंकि 10 साल से उसकी सरकार है. उसके खिलाफ एंटी इन्कम्बैंसी का माहौल है और लोकसभा चुनाव के बाद नगर निकाय चुनावों में भी पार्टी बुरी तरह से हारी है.

ध्यान रहे पिछली बार हर पांच साल पर सत्ता बदलने की परंपरा टूटी थी और लेफ्ट ने लगातार दूसरी बार चुनाव जीता था. लेकिन उसके बाद से हालात लगातार बदल रहे हैं. सीपीएम के अंदर उसकी रैंक एंड फाइल में बहुत नाराजगी है. कट्टर हिंदुवादी नेताओं के साथ मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन की नजदीकी से भी पार्टी के अंदर नाराजगी है और वोटर भी नाराज हैं.

इस बीच सीपीएम के एक बड़े नेता जी सुधाकरण ने पार्टी छोड़ दी है. वे अलापुझा इलाके के बड़े नेता हैं और अम्बलापुझा सीट से दो बार विधायक रहे हैं. वे छह दशक से सीपीएम से जुड़े थे. उनसे पहले पीवी अनवर ने एलडीएफ का साथ छोड़ा था. वे भी दो बार के निर्दलीय विधायक थे, जिन्हें सीपीएम का समर्थन था. वे तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए हैं और प्रदेश की कमान संभाल रहे हैं.

विशेष | **ममता को मात देने का 'मास्टरप्लान' तैयार, केरलम में भी काम करेगी यही रणनीति!**

बंगाल चुनाव में बाजी मारेगी भाजपा?

कोलकाता. पश्चिम बंगाल और केरलम विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने पूरी तरह कमर कस ली है. सियासी शतरंज की बिसात पर खेले जाने वाले सत्ता के इस 'महाखेल' के लिए भाजपा ने रणनीति भी तैयार कर ली है. यह रणनीति ऐसी है जो विरोधियों खासकर बंगाल में ममता बनर्जी के लिए परेशानी का सबब बन सकती है.

भारतीय जनता पार्टी में मौजूद सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी दोनों राज्यों में मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किए बिना चुनाव मैदान में उतरेगी. बिना सीएम फेस के चुनावी मैदान में उतरने की रणनीति भाजपा के लिए कई राज्यों में असरदार साबित हो चुकी है. इसके साथ ही पार्टी अधिक से अधिक सीटों पर जीत हासिल करने के लिए बड़े नेताओं को भी चुनाव लड़ाने की तैयारी कर रही है.

सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी बंगाल की सभी 294 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी. कहा जा रहा है कि पार्टी इस बार पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है. इतना ही नहीं बीजेपी अपने मौजूदा विधायकों के साथ-साथ कई पूर्व सांसदों को भी विधानसभा चुनाव में उतार सकती है. बताया तो यह भी जा रहा है कि भाजपा इस बार लोकसभा के कुछ मौजूदा सांसदों को भी विधानसभा चुनाव लड़ाने पर विचार कर रही है. पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का मानना है कि बड़े और प्रभावशाली नेताओं को मैदान में उतारने से संगठनात्मक ताकत और चुनावी प्रदर्शन दोनों मजबूत हो सकते हैं.

प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर होगा चुनाव- पश्चिम बंगाल में बीजेपी इस बार भी मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित नहीं करेगी. उसका फोकस सामूहिक नेतृत्व और केंद्रीय नेतृत्व के चेहरे पर चुनाव लड़ने पर रहेगा. चुनावी अभियानों और पोस्टर्स में पीएम मोदी के चेहरे और केंद्र सरकार के कामकाज को प्रमुखता से दिखाया जाएगा. केरलम में भी बीजेपी बिना मुख्यमंत्री चेहरे के चुनावी मैदान में उतरने वाली है. राज्य की 140 विधानसभा सीटों पर पार्टी एनडीए के सहयोगी दलों के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी. जानकारी के मुताबिक बीजेपी करीब 90 से 100 सीटों पर खुद चुनाव लड़ेगी तो बाकी की 40 सीटें सहयोगी दलों के बीच बांटी जाएंगी. साल 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने मेट्रो मैन के नाम से मशहूर ई श्रीधरन को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया था, लेकिन पार्टी को कोई सीट नहीं मिल सकी थी.

निकाय चुनाव में जीत से पार्टी में उत्साह

फिलहाल केरलम में हाल के स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों से काफी बीजेपी बेहद उत्साहित है. राजधानी तिरुवनंतपुरम में पहली बार पार्टी का मेयर बनने से कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है. ऐसे में पार्टी को उम्मीद है कि इस बार विधानसभा चुनावों में भी उसे पहले से बेहतर प्रदर्शन करने का मौका मिल सकता है.